सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 25 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 224, पृष्ठः 8+4

'पहले बुलाया, दावत दी... फिर कर दी बेइज्जती'

इनसाइड दिखावे का प्रदर्शन बना रहा है अवसादग्रस्त ! ... Pg 03

Pg 12

अखिलेश यादव का तंज

यूपी में न्यूयॉर्क से ज्यादा शराब की दुकानें हैं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने जो स्कूल बंद किए थे वो अब तक शुरू नहीं हुए हैं। सरकार नहीं चाहती है कि लोग पढ़ाई करें। शराब की दुकानें प्रदेश में बड़ी संख्या में खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में न्यूयॉर्क से ज्यादा शराब की दुकानें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पीडीए पाठशाला में पढ़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पाठशाला वालों के खिलाफ तो अंग्रेजों ने भी अत्याचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था लेकिन उन्होंने पिछड़ों का हक और सम्मान तक छीन लिया।

टूरिस्ट बस में छिपाकर ले जा रहे थे 200 किलो बारूद

दिल्ली में बड़े धमाके की थी तैयारी? उजैर-शाहनवाज गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दिल्ली जा रही एक प्राइवेट बस से 200 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई खेकड़ा थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार भी किया है और अब मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई : पुलिस को एक मुखबिर से जानकारी मिली थी कि एक टूरिस्ट बस में भारी मात्रा में विस्फोटक दिल्ली ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने नेशनल हाईवे-709बी पर एक बस को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान बस की सीटों और डिब्बों के नीचे 200 किलो विस्फोटक सामग्री छिपाई हुई मिली।

दो तस्कर गिरफ्तार : पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। उजैर-निवासी हापुड़, शाहनवाज -निवासी मेरठ। दोनों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह विस्फोटक कहां से लाया गया और किसे सप्लाई किया जाना था? इसका उपयोग कहां और किस मकसद से होना था?

क्या कहती है पुलिस?

पुलिस के अनुसार यह बस मुजफ्फरनगर के चरथावल से दिल्ली जा रही थी। इतने बड़े स्तर पर विस्फोटक मिलने के बाद पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क किया गया है।

आदेश रद्द

दिल्ली हाई कोर्ट ने सीआईसी पैनल के आदेश को किया खारिज

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार पीएम मोदी के शैक्षणिक रिकॉर्ड और डिग्री का खुलासा करना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने मुख्य सूचना आयोग के आदेश को रद्द कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को चुनौती दी थी। सीआईसी ने 2016 में दायर एक आरटीआई याचिका के आधार पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को पीएम मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था।

2016 में दायर आरटीआई पर पीएम मोदी की डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था

'शैक्षणिक रिकॉर्ड और डिग्री का खुलासा करना अनिवार्य नहीं': दिल्ली हाईकोर्ट के जज सचिन दत्ता के आदेश के अनुसार शैक्षणिक रिकॉर्ड और डिग्री का खुलासा करना अनिवार्य नहीं है।

पीएम मोदी के एकेडमिक रिकॉर्ड के खुलासे को लेकर यह कानूनी लड़ाई की सालों से चल रही है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत आवेदन दाखिल करने के बाद केंद्रीय सूचना आयोग ने 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड के निरीक्षण की 21 दिसंबर, 2016 को अनुमति दे दी। पीएम मोदी ने भी यह परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

सीआईसी ने दिया था डिग्री सार्वजनिक करने का आदेश

यूनिवर्सिटी ने तीसरे पक्ष से संबंधित जानकारी साझा न करने के नियमों का हवाला देते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। हालांकि मुख्य सूचना आयोग (सीआईसी) ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और दिसंबर 2016 में डीयू को निरीक्षण की अनुमति देने का आदेश दिया। सीआईसी ने कहा कि किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति खासकर प्रधानमंत्री की शैक्षिक योग्यताएं पारदर्शी होनी चाहिए। इसी आदेश के खिलाफ यूनिवर्सिटी ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां उसका प्रतिनिधित्व भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और उनकी कानूनी टीम ने किया।

राजनीतिक संरक्षण में देह व्यापार? कांग्रेस नेता के होटल पर छापा

» तीन महिलाएं भी पकड़ी गईं, होटल मालिक फरार

» पुलिस बोली होटल सीज होगा, पुराने काले धंधे की भी पोल खुली

प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। कांग्रेस नेता राजेश सिंह के होटल राजेंद्र पैलेस में शनिवार रात कानपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। छापेमारी में होटल मैनेजर समेत आठ लोग गिरफ्तार किए गए जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपितों को मेडिकल कराने के बाद जेल भेज दिया गया है। वहीं होटल मालिक राजेश सिंह व लीजधारक अशोक पटेल व पुनीत कुमार फरार बताए जा रहे हैं एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिसकर्मियों को ग्राहक बनाकर होटल में भेजा गया। वहां वेश्यावृत्ति की पुष्टि होते ही टीम ने छापा मारकर कई लोगों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। मौके से होटल मैनेजर लोकेश बाजपेई, पंजाब के कपूरथला निवासी गुरुदेव, पटियाला निवासी सुखविंदर सिंह, हरबंश मोहाल के मनीष राठौर, रेलबाजार निवासी शैलेंद्र पांडेय व तीन महिलाएं हिरासत में ली गईं।

जांच में सामने आया कि होटल कांग्रेस नेता राजेश सिंह का है, जिसे लीज पर चलाया जा रहा था। पुलिस अब लीज से जुड़े कागजात की जांच कर रही है और होटल को सीज करने की कार्रवाई की तैयारी में है।

गौर करने वाली बात यह है कि लगभग एक वर्ष पूर्व भी इसी होटल में देह व्यापार का रैकेट पकड़ा गया था। तब यह होटल संतोष राज के नाम से संचालित था और अंजलि नामक महिला अपने साथियों के साथ यहां धंधा चला रही थी। लगातार दो बार रैकेट पकड़े जाने से पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिरकार इस होटल में अवैध कारोबार को कैसे पनपने दिया गया एसीपी का कहना है कि होटल मालिक व संचालकों से भी पूछताछ की जाएगी और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

कुत्तों के बाद अब डॉग लवर्स का खौफ, बीबीए छात्रा का परिवार सहमा

» दिल्ली से आए एनजीओ के सदस्य बोले- कुत्तों को मारने की बात गलत

» डीएम कार्यालय ने पीड़िता का हाल जाना, हर संभव मदद का आश्वासन

FOLLOW UP

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी के रामपुरम फेज-वन में आवारा कुत्तों के हमले की शिकार बीबीए छात्रा वैष्णवी साहू अब नई मुसीबत में फंस गई है। शनिवार शाम दिल्ली की एक एनजीओ से जुड़े डॉग लवर्स उसके घर पहुंचे और परिवार को धमकी दी। आरोप लगाया कि छात्रा के चाचा ने मीडिया में कुत्तों को मारने की बात कही थी।

जानकारी के मुताबिक, देर शाम करीब आधा दर्जन लोग जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं, खुद को दिल्ली की संस्था से जुड़े डॉग लवर्स बताकर छात्रा के घर पहुंचे। उन्होंने पीड़िता को देखने की बात कही और घरवालों को धमकी भरे लहजे में समझाया कि कुत्तों को मारना गलत है, क्योंकि यही बंदरों का आतंक कम करते हैं।पीड़िता के चाचा आशुतोष ने बताया कि उन्होंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया, बल्कि उनके घर में भी पालतू कुत्ता है। इसके बावजूद एनजीओ सदस्य पहचान बताए बिना चले गए। इस पूरे घटनाक्रम से पीड़ित परिवार और अधिक सहमा हुआ है।गौरतलब है कि 20 अगस्त को एलन हाउस कालेज की बीबीए फाइनल ईयर की छात्रा वैष्णवी पर घर लौटते समय आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। कुत्तों ने उसके गाल, नाक और कान समेत कई जगह गंभीर घाव कर दिए थे।

फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और सोमवार को उसे एलएलआर पीजीआई ले जाया जाएगा इस बीच, जिलाधिकारी कार्यालय से भी पीड़िता के परिवार को फोन कर हालचाल लिया गया।

डीएम के पीआरओ ने आश्वासन दिया कि हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी और आर्थिक सहायता की जरूरत पड़ने पर तुरंत सहयोग किया जाएगा।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर,शनिवार 23 अगस्त, 2025 06

छात्रा पर किया कुत्तों ने हमला गाल फाड़ा, चेहरे पर आए 17 टांके

» मधुवन पार्क में कुत्तों का आतंक, 21 साल की छात्रा लहूलुहान

» गाल दो हिस्सों में बंटा, नाक पर भी जख्म कुत्तों के हमले से सहमी छात्रा

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार शाम को एक 21 वर्षीय छात्रा पर कुत्तों के झुंड ने ऐसा हमला किया कि उसका चेहरा लहूलुहान हो गया। गाल का मांस फटकर दो हिस्सों में बंट गया और चेहरे पर 17 टांके लगाने पड़े। नाक पर भी गंभीर चोट आई है। घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

श्यामनगर निवासी आशुतोष साहू की भतीजी वैष्णवी साहू, जो रूमा स्थित एलन हाउस कॉलेज में बीबीए अंतिम वर्ष की छात्रा है, बुधवार शाम कॉलेज से घर लौट रही थी। मधुवन पार्क के पास बंदरों और कुत्तों का झुंड आपस में लड़ रहा था। इसी दौरान जैसे ही वैष्णवी वहां से गुजरी, कुत्तों का झुंड अचानक उस पर टूट पड़ा।कुत्तों ने छात्रा को सड़क पर गिराकर गाल और नाक को बुरी तरह नोच डाला। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़े और लाठी-डंडों से कुत्तों को खदेड़कर उसे बचाया। राहगीरों की मदद से छात्रा को खून से लथपथ हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।पहले उसे कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजा गया, जहाँ डॉक्टरों ने गाल और नाक पर कुल 17 टांके लगाए।घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मधुवन पार्क और आस-पास के इलाकों में लंबे समय से आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक है। पहले भी कई लोगों पर कुत्ते हमला कर चुके हैं लेकिन नगर निगम ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।लोगों ने नगर निगम से आवारा कुत्तों की पकड़ने की मुहिम चलाने और पार्कों-गलियों में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर प्रशासन और निगम इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता तो बच्चों और महिलाओं के लिए घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा।

कानपुर में बढ़ रहा कुत्तों का आतंक

» वैष्णवी पर हमले ने जगाई दहशत, गली गली में खड़े हैं काटने के लिए आवारा कुत्ते

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बीबीए की छात्रा वैष्णवी साहू पर कुत्तों के हमले ने पूरे शहर को दहला दिया। चेहरा सिलाई और टांकों से भरा हुआ-जिसे देखकर इलाके के लोग कांप उठे। गली-मोहल्लों में यह चर्चा है कि हर गली में 20-25 कुत्ते घूमते हैं। अब इंसान ही नहीं, बच्चों तक का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर शहर में करीब लाख से डेढ़ लाख आवारा कुत्ते हैं। इनमें कौन शांत है, कौन खूंखार-यह कोई नहीं जानता। यही अनिश्चितता लोगों के लिए खौफ का कारण बन गई है। बुजुर्ग हों, महिलाएं हों या छोटे बच्चे-कुत्तों के झुंड सड़कों और कॉलोनियों में डर का माहौल बना रहे हैं।

वैष्णवी तो किसी तरह बच गईं, लेकिन सोचने वाली बात है-अगर उसकी जगह कोई 4-5 साल का बच्चा होता, तो क्या उसकी जान बच पाती? यह सवाल हर माता-पिता के दिल में चुभ रहा है।

कानपुर ही नहीं, हर शहर की समस्या

यह सिर्फ कानपुर या दिल्ली-एनसीआर की समस्या नहीं है। देश के लगभग हर बड़े शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती तादाद लोगों के लिए खतरा बन चुकी है।नगर निगम की नसबंदी और टीकाकरण योजनाएं कागजों में ज्यादा और जमीनी हकीकत में कम नजर आती हैं।डॉग लवर्स का कहना है कि कुत्तों पर जुल्म नहीं होना चाहिए, लेकिन पीड़ित परिवार पूछते हैं-कौन तय करेगा कि कौन-सा कुत्ता खतरनाक है और कौन-सा नहीं? अब यह सिर्फ छोटी समस्या नहीं रही। सांसद, विधायक, मेयर, प्रशासन और पुलिस-सभी को मिलकर ठोस नीति बनानी होगी।

नसबंदी अभियान तेज होना चाहिए

कुत्तों के लिए शेल्टर काटने के मामलों में तत्काल इलाज और वैक्सीन की व्यवस्था हो। वैष्णवी का मामला दरअसल एक चेतावनी है। लोग कह रहे हैं कि अब प्रशासन को इंतजार नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगला शिकार कौन होगा-यह कोई नहीं जानता।

(कानपुर शहर में किशनपुर और फूल बाग में दो डॉग शेल्टर संचालित किया जा रहे हैं यहां पर रोजाना करीब 60 कुत्तों को पड़कर नसबंदी की जाती है

इसके बाद जी पॉइंट से उनको पकड़ा जाता है उनको वहीं फिर से छोड़ दिया जाता है क्योंकि पूर्व से बने नियम कायदों के तहत कुत्तों को पकड़ कर रखा नहीं जा सकता है। सिर्फ उनकी नसबंदी की जा सकती है। इसके अलावा कानपुर शहर में और डॉग सेंटर बनाने के प्रयास तेज किया जा रहे हैं।)

डॉ आरके निरंजन, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नगर निगम कानपुर

सोशल मीडिया पर दिखावे का प्रदर्शन बना रहा है अवसादग्रस्त !

» अब तो हालत यह हो गई है कि इंसान को जीने के लिए हवा-पानी कम और पर्सनल फोटो और वीडियोग्राफर ज्यादा चाहिए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आजकल अधिकांश लोगों पर एक फितूर सा सवार हो गया है कि लोग उसे देखें। चाहे इसके लिए उसको कोई तमाशा क्यों न करना पड़े या फिर खुद को ही तमाशा क्यों न बनना पड़े। अब तो हालत यह हो गई है कि इंसान को जीने के लिए हवा-पानी कम और पर्सनल फोटो और वीडियोग्राफर ज्यादा चाहिए। हर छींक, हर जम्हाई, हर अंगड़ाई, यहां तक कि खांसने तक को सिनेमाई क्लोज-अप में कैद होना चाहिए मानो जीवन कोई रियलिटी शो हो और कैमरे के बिना हमारा अस्तित्व अधूरा। हम सांस भी लें तो स्लो मोशन इफेक्ट, आंख झपकाएं तो ड्रम रोल और जरा दौड़ जाएं तो 4के क्वालिटी के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक अनिवार्य क्योंकि सोशल मीडिया की महान दुनिया में नाटक नहीं मसाला बिकता है। असली जीवन अब अनुभवों से नहीं बल्कि रील्स की एडिटिंग ऐप्स से चलता है। अब साथी नहीं, हमें ऑडियंस चाहिए, दोस्त नहीं हमें फॉलोअर चाहिए। खाना खाते हुए सेल्फी चाहिए, सोते-जागते वीडियो ब्लॉग्स चाहिए और हंसते-रोते लाइव स्ट्रीम चाहिए और मजाक तो यह है कि हम अब जीवन जीते नहीं बल्कि कैमरे के सामने जीने का अभिनय करते हैं। असली भावनाएं पीछे धकेल दी जाती हैं और उनके ऊपर फिल्टर चढ़ाकर एक कंटेंट बना दिया जाता है। व्यंग्य यह है कि जब हम खुद को हर वक्त लेंस से देखने लगते हैं तो आईना भी झूठा लगने लगता है और सच यह है कि इस

(स्वराज इंडिया मंथन)

तमाम एडिटिंग, स्लो-मो, फास्ट-मो और फिल्टर की दुनिया में असली जिंदगी धीरे-धीरे मर रही है बाकी रह गया है सिर्फ एक चमकता-दमकता तमाशा जिसमें हम सब कलाकार नहीं बल्कि कैद किए गए कैरेक्टर बन गए हैं। उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे, उसकी गाड़ी मेरी गाड़ी से लम्बी कैसे, उसकी कोठी मेरी कोठी से ऊंची कैसे? एक से बढ़कर एक, तेरे नहले पर मेरा दहला। चाहे कोई भी क्षेत्र हो हर व्यक्ति अपने को दूसरे से बढ़ कर दिखाने और दूसरे को नीचा दिखाने की फिराक में है, बात प्रतियोगिता की नहीं है बल्कि अंधी होड़ की है। हर कोई अपने आपको दूसरे से बेहतर साबित करने में लगा रहता है। आपका घर कौन से सेक्टर में है, आपका बच्चा कौन से स्कूल जाता है? इससे आपकी हैसियत आँकता है। गर्मियों की छुट्टियों में आपने कौन कौन से देश का भ्रमण किया, शॉपिंग के लिए आप कौन से मॉल में जाते हैं, दुबई गए कि नहीं अगर नहीं तो आप डींग किस बात कि मारेंगे। आपके कपडे, जूते, गहने, किस ब्रांड कि हैं इससे आकलन करते हैं। पहले ब्रांड कि स्लिप शर्ट के या पैंट के अन्दर की तरफ छुपा कर लगाई जाती थी परन्तु अब वो चीख चीखकर ब्रांड की घोषणा करती है। जेब पर या आस्तीन पर या फिर और किसी दूर से ही दिखाई पड़ने वाली जगह पर लगी रहती है। दिखावे के पागलपन यहाँ तक बढ़ गया है कि कुछ लोग तो किसी परिचित की मृत्यु पर भी सेल्फी/फोटो खींचकर बिना कुछ सोचे समझे सोशल मीडिया पर डाल देतें है। सोशल मीडिया की यह प्रवृति लत का कारण बनती जा रही है जिससे लोगों की कार्य क्षमता और कुशलता पर विपरीत असर पड़ रहा है। लोगों को सोशल मीडिया की सतही चमक दमक से दूर रहकर अपने असली जीवन के महत्व को समझना होगा अन्यथा आभासी दुनिया के फरेब में फंसकर वास्तविक जीवन से दूर हो जाएंगे।

कानपुर विकास प्राधिकरण
द्वारा
अगस्त 15 स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं...
का0वि0प्रा0 Kanpur Development Authority

विभिन्न योजनाओं में आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का ई-ऑक्शन

पहले भूखण्ड देखें — फिर बोली लगाएं

549 भूखण्डों (प्लॉट्स) का ई-ऑक्शन

ई-ऑक्शन हेतु पंजीकरण अवधि 25.08.2025 पूर्वान्ह 11 बजे से 23.09.2025 अपरान्ह 5 बजे तक

ई-ऑक्शन में बोली लगाने की अवधि 26.08.2025 पूर्वान्ह 11 बजे से 24.09.2025 अपरान्ह 5 बजे तक

ई-ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापित आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का विवरण

क्रम सं.	योजना का नाम	क्षेत्रफल (वर्गमी.)	भू-उपयोग	भूखण्डों की संख्या	न्यूनतम आरक्षित दर प्रति वर्ग मी. (रू. में)
01	महावीर नगर विस्तार योजना	517-798	नर्सरी स्कूल	05	36900
02	महावीर नगर विस्तार योजना	1832.90	नर्सिंग होम	1	55200
03	शताब्दी नगर योजना	977	पेट्रोल पम्प	1	73700
04	मन्दाकिनी इन्क्लेव	582	नर्सिंग होम	1	55200
05	महावीर नगर विस्तार	86-1091	व्यवसायिक	66	81000
06	शताब्दी नगर	112.50-200	व्यवसायिक	38	81000
07	स्टेडियम (दुकान/कॉम्प्लेक्स)	12.58-2713.22	व्यवसायिक	49	56700-139300
08	पनकी भौसिंह(रेस्ट एण्ड रिफ्रेश)	1426.88	व्यवसायिक	01	73700
09	पनकी	561	नर्सिंग होम	01	51950
10	पनकी	260.30-271.00	व्यवसायिक	02	67500-74200
11	कैटिल कालोनी	144-925	व्यवसायिक/ दुग्ध व्यवसाय	06	13200-31100
12	न्यू ट्रान्सपोर्ट नगर	90.00-2031.92	व्यवसायिक	232	32000
13	जवाहरपुरम	200	आवासीय	04	36900
14	शताब्दी नगर	112.50-200	आवासीय	13	36900
15	पनकी	603.68	आवासीय	01	37000
16	भागीरथी एवं जाहन्वी	112.50-5596.28	व्यवसायिक	97	50500-80850
17	स्वर्ण जयन्ती विहार	24.68	दुकान	03	45600
18	किदवई नगर वाई-1	167.29	व्यवसायिक	11	87900
19	सुजातगंज	167.22-297.66	आवासीय	13	38100-42000
20	स्वर्ण जयन्ती विहार	112.50-180	आवासीय	04	35200

*ई ऑक्शन' के लिए अधिकृत इंडियन बैंक

विस्तृत विवरण तथा नियम व शर्तें प्राधिकरण की वेबसाइट www.kdaindia.co.in के ई-ऑक्शन पोर्टल पर उपलब्ध है।
भूखण्डों के नम्बर एवं वास्तविक क्षेत्रफल/दर के सम्बन्ध में वेबसाइट पर देखकर ही पंजीकरण/बोली लगायें

चमनगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सब्लू गिरफ्तार

» रूपम चौराहे से दबोचा गया 35 वर्षीय अपराधी, कई मुकदमों में वांछित

»पुलिस आयुक्त के अभियान में मिली सफलता, आरोपी थाना बेकनगंज का हिस्ट्रीशीटर

गिरफ्तारी करने वाली टीम

बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में शामिल रहे-
उ0नि0 श्री नितिन कुमार, चौकी प्रभारी आनंदबाग थाना चमनगंज
उ0नि0 श्री प्रांजुल वर्मा, थाना चमनगंज
हे0का0 मनोज कुमार, थाना चमनगंज
का0 आदर्श कुमार, थाना चमनगंज
का0 विवेक गौतम, थाना चमनगंज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कानपुर नगर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में चमनगंज थाना पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी और हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सहलू को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसे रूपम चौराहे के पास से दबोचा, जहां वह संदिग्ध हालात में मौजूद था।

पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के आदेश पर चल रहे इस अभियान के तहत अपर पुलिस उपायुक्त नगर जोन सेंट्रल और सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के नेतृत्व में चमनगंज पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तार सहलू, पुत्र कैयुमुद्दीन, निवासी 105/65 सईदाबाद थाना चमनगंज, उम्र करीब 35 वर्ष है। वर्तमान में वह रूपम टाकीज थाना बेकनगंज का निवासी बताया गया है।चमनगंज थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ तमाम मुकदमे दर्ज हैं।वह लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस रिकार्ड के अनुसार एजाजुद्दीन उर्फ सहलू थाना बेकनगंज का मजारिया हिस्ट्रीशीटर है, जिस पर पहले भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही अन्य आपराधिक घटनाओं का भी पर्दाफाश हो सकता है।स्थानीय लोगों ने चमनगंज पुलिस टीम की इस कार्रवाई की सराहना की और कहा कि यदि इसी तरह अपराधियों पर नकेल कसी जाती रही तो क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

‘साहब नहीं, मैं तो आपका सेवक हूं!’

वृद्ध फरियादी को हाथ जोड़े खड़ा देख भावुक हुए एसडीएम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। सोमवार को एसडीएम दफ्तर में उस समय हर किसी की निगाह हाथ जोड़े खड़े एक वृद्ध आदमी पर आकर टिक गई। जब जनता की फरियादें सुन रहे एसडीएम संजीव दीक्षित अचानक बोले अरे बाबा...मैं कोई साहब साहब नहीं हूं.....मैं तो आप लोगों का सेवक हूं। और वृद्ध को अपने सामने पड़ी कुर्सी खाली करवाकर सम्मान सहित बिठाया। साथ ही कुर्सियों पर बैठे कुछ युवाओं को नसीहत भी दी। इसके बाद इत्मीनान से उनकी बातें सुनीं और मौके पर मौजूद तहसीलदार को जरूरी निर्देश दिए। सोमवार को करीब 12.20 बजे एसडीएम दफ्तर फरियादियों से खचाखच भरा हुआ था। इसी बीच माखनपुरवा के राम सेवक कृषि आवंटन पत्रावली की नकल लेने लड़खड़ाते कदमों के साथ एसडीएम के सामने उपस्थित होते हैं और हाथ जोड़कर दीन हीन मुद्रा में अपनी बात कहने लगते हैं। एक झटके में एसडीएम अब काम छोड़कर वृद्ध राम सेवक की ओर मुखातिब होते हैं और उन्हें सम्मान से बिठाते हैं। किसी सरकारी दफ्तर में आम आदमी का कोई काम हो या न हो लेकिन यदि अफसर और कर्मचारी सम्मान से बिठाकर बात सुन ले तो आधी समस्या तो खुद भी खुद दूर हो जाती है। शायद एसडीएम साहब इस बात को बखूबी समझते हैं।

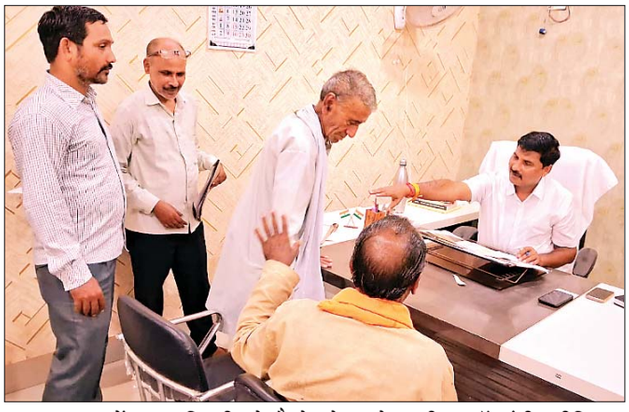

जनता दरबार में वृद्ध फरियादी को बैठने को कहते एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित।

» वृद्ध फरियादी को सम्मान के साथ कुर्सी पर बिठाकर सुनी फरियाद

» तहसील के अधिकांश वकील उनका कार्यशैली के मुरीद हैं

राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री और समाज विज्ञान पर पकड़ : राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री रखने वाले एसडीएम संजीव दीक्षित का कम करने का अंदाज ही निराला है। तहसील के अधिकांश वकील उनका कार्यशैली के मुरीद हैं। वह हर किसी की शिकायत को सुनते हैं और लीक से हटकर उसका समाधान निकालने की कोशिश करते हैं। आज ही राम दयाल...चौबेपुर मरियानी का रास्ते का मामला आया। जिसमें उन्होंने चौबेपुर इंस्पेक्टर को फोन कर स्वयं देखने को कहा।

पीडीए अभियान की विनय कोरी के नेतृत्व में शुरुआत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी ने रविवार को बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र से पीडीए वोटर अधिकार यात्रा निकाली। संभावित प्रत्याशी विनय कोरी ने मंधना से यात्रा का नेतृत्व किया, जो समर्थकों के साथ बिल्हौर कार्यालय तक पहुंची। कोरी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना और वोट सुरक्षित रखना है। इस दौरान पुलिस की ओर से यात्रा को रोकने की कोशिश की गई, जिससे कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। हालांकि समर्थकों के जोश के आगे पुलिस को पीछे हटना पड़ा और यात्रा आगे बढ़ी। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन निर्भय सिंह यादव ने कहा कि पीडीए अभियान केवल सपा का नहीं, बल्कि आम जनता की आवाज है। यह यात्रा लोगों के हक की लड़ाई का प्रतीक है और हर बूथ तक इसका संदेश पहुंचाना जरूरी है। इसी तरह पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को सिर्फ ठगा है, अब समय है कि लोग संगठित होकर अपने वोट की ताकत दिखाएं। इस दौरान कई सपाई मौजूद रहे। पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी, जिला उपाध्यक्ष श्याम सुंदर यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

» अभियान का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है

» यह यात्रा लोगों के हक की लड़ाई का प्रतीक है

संदिग्धों की तलाश में पुलिस का छापा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल कस्बे में एक मकान पर पुलिस की दबिश का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मकान में कुछ बाहरी संदिग्ध छिपे हुए हैं। हालांकि स्वराज इंडिया अखबार इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस वीडियो में पुलिसकर्मी किसी संदीप नामक व्यक्ति का हवाला देते हुए कह रहा है कि यह लोकेशन उसी की है। इस दौरान मकान मालिक का भतीजा सामने आता है और कहता है कि यह चाचा का मकान है। पूछताछ के बीच मकान मालिक और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक भी हो जाती है।

गैंगरेप कांड **पीड़िता से मिले विधायक, बोले किसी से डरने की जरुरत नहीं**

आरोपी के परिजन पैसे-पावर से कर रहे समझौता कराने की कोशिश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ककवन, बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग दलित किशोरी से हुए गैंगरेप के मामले में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। रविवार को क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर अपने समर्थकों के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है और किसी भी स्तर पर मदद से पीछे नहीं हटेगी। परिवार ने विधायक से शिकायत करते हुए कहा कि घटना के बाद पुलिस ने उनसे तीन बार तहरीर बदलवाई। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए पहले ककवन से फिर कल्याणपुर भेजा गया, जिससे परिवार को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। परिजनों का आरोप है कि 24 घंटे तक उन्हें बेटी से मिलने तक नहीं दिया गया। इसके अलावा आरोपियों के परिवार पैसे और दबाव के जरिए समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं। विधायक सोनकर ने परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा, ‘आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है। अगर कोई दबाव डाले तो तुरंत मुझे फोन करें और कहा मैं हर वक्त हूं। किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।’

विपक्ष भी हुआ सक्रिय : इसी बीच विपक्षी दलों के नेता भी सक्रिय हो गए हैं। सपा नेत्री रचना सिंह पीड़िता के घर पहुंचीं और भाजपा सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए।इससे पहले शनिवार को बीएसपी का एक प्रतिनिधिमंडल भी पीड़िता के गांव पहुंचा था। बीएसपी के पूर्व प्रभारी विनय गौतम ने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया था।

सम्पादकीय

भारत के सुरक्षात्मक उपायों से जगी उम्मीद

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है।

कारखाने न बनें सरकारी स्कूल

सुधाकर शर्मा

यहां सवाल किसी स्कूल की छत ढहने का नहीं है, शिक्षा का सारा ढांचा ही जर्जर है। इस ढांचे की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की नीति को बदलना होगा, शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।देश में बहुत कुछ हो रहा है- कहीं पुल ढह रहे हैं, कहीं सड़कें नदियां बनी हुई हैं, कहीं विमान- दुर्घटनाएं हो रही हैं, देश का उपराष्ट्रपति इस्तीफा दे रहा है, संसद में और सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारी एजेंसियां छापेमारी में लगी हैं। अरबों-खरबों के घोटाले की बातें हो रही हैं। मतदाता सूचियों को खंगाला जा रहा है। लाखों नाम जुड़ रहे हैं, लाखों काटे जा रहे हैं।

नेतागण अपनी-अपनी पार्टी के गुणगान में लगे हैं, कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे किस नेता की बात सच मानें और किसकी झूठ। कहीं भ्रष्टाचार की बात हो रही है, कहीं चुनाव की... इस सारे शोर-शराबे में हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल की छत ढह जाने से सात बच्चों की जान चली गय। जो छत गिरी, दो साल पहले ही लगभग तीन लाख रुपये उसकी मरम्मत पर खर्च होने का दावा किया गया था। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं 'मामले की उच्च स्तरीय जांच' करायेंगे। हकीकत यह है कि देश में सरकारी स्कूल और उनमें दी जा रही शिक्षा दोनों जर्जर अवस्था में हैं। होती है कभी-कभी बात इस जर्जर अवस्था के बारे में, पर अक्सर 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा ही सुनाई देती है, उसके परिणाम कहीं सरकारी फाइलों में दबे पड़े रहते हैं। इस झालावाड़-कांड की जांच के साथ भी ऐसा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।सात बच्चों के मरने और चौबीस बच्चों के घायल होने वाले इस हादसे ने देश में सरकारी शिक्षा की स्थिति पर कुछ सवाल जरूर उठायें हैं, पर उनके उत्तर खोजने की बात कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि उन मासूमों का क्या कसूर था, जो खिलने से पहले ही कुम्हला गये? उनके अभिभावकों के सपनों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में कोई बात नहीं हो रही।संसद में 'आपरेशन सिंदूर' के बारे में चर्चा होती रही है। महत्वपूर्ण है यह विषय इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन देश के स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की गंभीरता और महत्व को क्यों नहीं समझा जा रहा? झालावाड़ का स्कूल अकेला नहीं है जिसकी इमारत जर्जर अवस्था में है। राजस्थान के ही नहीं देशभर के सरकारी स्कूलों की इमारतें और शिक्षा की स्थिति संसद में काम रोको प्रस्ताव की मांग कर रही है, पर कौन सुन रहा है इस मांग को?देश में नई शिक्षा नीति को लागू किया जा रहा है उसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। पर यह दुर्भाग्य ही है कि प्राथमिक शिक्षा की स्थिति हमारी वरीयता में कहीं नहीं दिखाई दे रही। शिक्षा का माध्यम क्या हो, कितनी भाषाएं देश के बच्चे सीख रहे हैं जैसे कुछ सवाल यदि कहीं उठ भी रहे हैं तो वह भी अपने-अपने राजनीतिक हितों-स्वार्थों के खातिर ही। शिक्षा को लेकर जो बुनियादी चिंता दिखनी चाहिए, उसमें जो ईमानदारी झलकनी चाहिए, वह कहीं नहीं है। सवाल किसी झालावाड़ के सरकारी स्कूल की छत गिरने का नहीं है, देश के हर हिस्से में ऐसे स्कूल दिख जाएंगे जहां बच्चे दीवारें ढहने या छत गिरने के खतरे को झेलते हुए अपना भविष्य बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज देश में 74 हज़ार से अधिक स्कूल जर्जर अवस्था में हैं। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देश में सरकारी स्कूल लगातार कम हो रहे हैं। अकेले मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में लगभग नब्बे हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सहज ही विश्वास नहीं होता इस आंकड़े पर, पर शिक्षा को लेकर जिस तरह की अराजकता हमारे देश में पसरी है उसे देखते हुए आश्चर्य भी होना चाहिए और चिंता भी।चिंता इस बात की भी होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों के बंद होने के साथ-साथ निजी स्कूलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ अरसे में 25 हज़ार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हुए हैं! इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर है।

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

थाईलैंड के फुमथम

डा0 जगदीप सिंह

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा...

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा कि उनकी पहल पर ही शांति वार्ता संपन्न हुई।

भगवान शिव किसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। पहले, भारत-पाकिस्तान, फिर ईरान-इस्राइल, और अब कम्बोडिया-थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई-कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई।मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम वार्ता के लिए मुलाकात की थी। हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।'दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे।थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करते हैं। साल 1904 में पहली फ़्रैंको-सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ़्रैंको-सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा-निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया।

बीजेपी के करीबी माफिया पर क्यों थमा बुलडोज़र?: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले माफिया मुक्त नहीं भाजपा युक्त हुआ प्रदेश

» अखिलेश दुबे पर कार्रवाई ठप, सरकार पर सौदेबाज़ी के आरोप

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कानपुर में बीजेपी के बेहद करीबी अखिलेश दुबे पर गंभीर आरोपों के बावजूद कार्रवाई ठप है। अगर वह भाग जाता तो शायद आज अंडरग्राउंड होता, लेकिन इतनी नजदीकी है कि बचा हुआ है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार का बुलडोज़र गरीबों और विपक्षियों पर तो चलता है, लेकिन बीजेपी नेताओं और उनके करीबियों पर कभी नहीं। उन्होंने तंज कसा कि आप सरकारी जमीन कब्जा कर लो, तालाब पाट लो, या सरकारी खजाने से हेराफेरी करो, लेकिन अगर बीजेपी के करीबी हो तो बुलडोज़र कभी नहीं चलेगा।पूर्व सीएम ने प्रेस वार्ता और एक्स पोस्ट में लिखा यूपी माफिया मुक्त नहीं, बल्कि भाजपा युक्त हो गया है। देखना है कि इन भाजपाई भूमाफियाओं पर बुलडोज़र अपने आप चलता है या हमारी पोस्ट के बाद।

एफआईआर दर्ज हैं, कार्रवाई पर सवाल

जानकारी के अनुसार, अखिलेश दुबे पर पांच एफआईआर दर्ज हैं, साथ ही नौ गंभीर मामलों की जांच पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद नई एफआईआर दर्ज नहीं हो रही। शहर में चर्चा है कि दुबे के करीबी अफसरों ने लखनऊ से पूरा मामला दबा दिया है। यही वजह है कि पांच दिन से कार्रवाई रुकी हुई है।

अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि क्या योगी सरकार माफिया के खिलाफ सख्ती दिखाएगी या भाजपा नेताओं से सौदेबाज़ी करके मामले को दबा दिया जाएगा।

भाजपा नेता सर्वेश शुक्ला बम बम पर केस

पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी का आरोप

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। काकादेव क्षेत्र में भाजपा नेता सर्वेश शुक्ला उर्फ बम-बम पर महिला ने पॉक्सो एक्ट में झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोप है कि भाजपा नेता ने न सिर्फ बच्चों को जेल भेजने की धमकी दी बल्कि जवाहर पार्क में अवैध कब्जा भी किया है।

» महिला का आरोप बेटों को जेल भेजने की धमकी दी

» जवाहर पार्क में अवैध कब्जा करने की भी शिकायत

शास्त्री नगर निवासी साधना राय ने आरोप लगाया कि 20 अगस्त को भाजपा नेता सर्वेश शुक्ला उनके घर पहुंचे और बेटों को बुलाने लगे। जब वजह पूछी गई तो धमकी दी कि फ्उन्हें समझा लो, वरना पॉक्सो एक्ट का मुकदमा लिखवाकर जेल भिजवा दूंगा। महिला का कहना है कि पहले भी दुश्मनी के चलते उनके बेटों पर झूठा केस कराया गया था, जो जांच में फर्जी निकला।

इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर कार्रवाई की।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि सर्वेश शुक्ला जवाहर पार्क में विधायक निधि से बने टीनशेड और कमरे की आड़ में पुरानी ईंटें लगवाकर अवैध कब्जा कर रहे हैं। साधना राय का कहना है कि स्थानीय स्तर पर वह लोगों को डरा-धमकाकर दबाव बनाते हैं।

थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि महिला की शिकायत पर भाजपा नेता के खिलाफ आपराधिक धमकी की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।वहीं, सर्वेश शुक्ला ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह सब उनकी राजनीतिक छवि खराब करने के लिए रची गई साजिश है।

काशी ज्वैलर्स की 70वीं गोल्डन वर्षगांठ पर ग्राहकों की उमड़ी भीड़

» ग्राहकों ने की जमकर खरीदारी

» डायमंड ज्वैलरी पर 20 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ग्राहकों को आकर्षित करता रहा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के प्रतिष्ठित काशी ज्वैलर्स ने अपनी 70वीं गोल्डन वर्षगांठ के अवसर पर ग्राहकों को खास तोहफा दिया। बिरहाना रोड स्थित शोरूम में 22 अगस्त से 26 अगस्त तक आयोजित भव्य ज्वैलरी प्रदर्शनी में सोने के भाव पर भारी छूट और डायमंड ज्वैलरी पर 20 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ग्राहकों को आकर्षित करता रहा। प्रदर्शनी का आखिरी दिन होने के कारण सुबह से ही ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली।प्रदर्शनी में 10 हज़ार से अधिक नई उत्कृष्ट डिज़ाइनों की श्रृंखला पेश की गई। हर खरीद पर ग्राहकों को एक आकर्षक उपहार भी दिया गया, जिसका उन्होंने भरपूर लाभ उठाया।

काशी ज्वैलर्स के मैनेजिंग पार्टनर एवं वाइस प्रेसिडेंट श्रेयांश कपूर ने बताया कि 70 साल का यह सफर हमारे ग्राहकों और शुभचिंतकों के विश्वास की देन है। हम आगे भी उन्हें बेहतरीन डिज़ाइन और शुद्ध आभूषण उपलब्ध कराते रहेंगे।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित काशी ज्वैलर्स आज पूरे देश में गुणवत्ता, शुद्धता और विश्वसनीयता का पर्याय बन चुका है। 1955 में स्थापित इस संस्थान ने न सिर्फ कानपुर बल्कि पूरे भारत में अपनी खास पहचान बनाई है।इस अवसर पर डॉ. देविका कपूर ने भी सभी ग्राहकों और शुभचिंतकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि काशी ज्वैलर्स सदैव उत्कृष्टता और भरोसे की परंपरा को आगे बढ़ाता रहेगा।

पुलिस की नाकामी से चोरों के हौसले बुलंद, दुकानदार तबाह

» सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, फिर भी कार्रवाई नहीं

» लाखों के नुकसान से पीड़ित दुकानदार ने लगाई न्याय की गुहार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर नगर। पनकी थाना क्षेत्र में पुलिस की ढिलाई से चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि एक ही दुकान में दो बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। प्रार्थी धर्मराज बाजपेई निवासी पनका की दुकान पनकी भौती बाईपास पुल के नीचे स्थित है, जहां खाने-पीने और जनरल स्टोर का सामान रखा था। जानकारी के अनुसार, पहली चोरी 18 जून 2025 को हुई थी। उस समय भी चोरों ने दुकान से हजारों का माल पार कर लिया था, जिसकी पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी।

पीड़ित ने घटना की लिखित तहरीर थाना पनकी और इस्पात नगर चौकी में दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

पुलिस की इस लापरवाही का नतीजा यह हुआ कि बीती रात 24 अगस्त 2025 को चोरों ने उसी दुकान को फिर निशाना बना लिया और लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरों की करतूत साफ नजर आ रही है।पीड़ित धर्मराज बाजपेई का कहना है कि लगातार दो बार चोरी होने के बाद भी पुलिस की निष्क्रियता से साफ है कि क्षेत्र में एक संगठित गिरोह सक्रिय है, जिस पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि फुटेज के आधार पर तत्काल गिरोह का पर्दाफाश कर कार्रवाई की जाए।

80 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति पर नहीं पसीजे अधिकारी

» बरसात में ढहा कच्चा घर, पड़ोसी के टीनशेड में गुजर-बसर

» हर घर घरौनी योजना से अब तक वंचित, पंचायत की अनदेखी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात (माती)। सरकार की हर घर घरौनी योजना के बड़े-बड़े दावे धरातल पर फेल साबित हो रहे हैं। कानपुर देहात के गजनेर कस्बे में 80 वर्षीय रामकिशोर भुर्जी और उनकी पत्नी का कच्चा मकान बरसात में ढह गया। लेकिन ग्राम पंचायत और विकास विभाग की लापरवाही के चलते यह बुजुर्ग दंपत्ति आज पड़ोसी के टीनशेड के नीचे रहने को मजबूर हैं।

बारिश की रात को जब कच्चा मकान भरभरा कर गिरा, तब वृद्ध दंपत्ति बाल-बाल बच गए। पड़ोसियों नीरज गुप्ता और योगेंद्र सिंह ने मदद कर मलवा हटवाया और रहने के लिए अस्थायी टीनशेड दिलवाया। पूर्व ग्राम प्रधान का कहना है कि उनके कार्यकाल में कॉलोनी की लिस्ट भेजी गई थी, लेकिन आज तक भुर्जी दंपत्ति को लाभ नहीं मिला।

रामकिशोर भुर्जी ने रोते हुए सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती सुनाई।

किसी ने खाना दिया, किसी ने कपड़े, लेकिन शासन-प्रशासन की तरफ से अब तक कोई मदद नहीं पहुंची। उनका कहना है कि यदि जल्द मदद नहीं मिली तो वे पत्नी समेत डीएम दफ्तर के बाहर आमरण अनशन करेंगे।

एडीओ पंचायत वीरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि तहसील स्तर पर घर गिरने वालों की लिस्ट बनाई गई है। यदि उस लिस्ट में नाम दर्ज है तो सहायता राशि मिलेगी। सचिव द्वारा सत्यापन के बाद अंतिम निर्णय होगा।

80 वर्षीय रामकिशोर भुर्जी का पूरा घर ढह चुका है, लेकिन आज तक उन्हें न तो आवास मिला और न ही शासन से कोई सहायता राशि। बेचारे दूसरे के घर में रहने को मजबूर हैं और खाने तक के लिए तरस रहे हैं। हम लोग जैसे-तैसे भोजन और जरूरी सामान की मदद कर रहे हैं। सवाल ये है कि आखिर विकास की गंगा इन तक क्यों नहीं पहुंच रही? क्या इनके आंसुओं की कोई कीमत नहीं?

नीरज गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष गजनेर

बुजुर्ग दंपत्ति का नाम हमारे कार्यकाल में कॉलोनी की सूची में शामिल था और हमने उसका सत्यापन कर शासन को भेजा था। लेकिन हमारे कार्यकाल के बाद इनके नाम को सूची से कैसे और क्यों काटा गया, इसकी जांच होनी चाहिए। आखिर 80 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति को सरकार की घरौनी योजना का लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि वे तो पत्र से भी नीचे की श्रेणी में जीवन गुजार रहे हैं।

योगेंद्र सिंह, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि गजनेर

गजनेर में फिर दो घरों में चोरी, पुलिस के लिए बनी चुनौती

» लगातार चोरियों से क्षेत्र में दहशत का माहौल

एक साल में दो दर्जन से ज्यादा वारदात, खुलासे का इंतजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र चोरों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। बीती रात ज्यूनिया गांव में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। लगातार हो रही वारदातों ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी है, वहीं पुलिस अब तक किसी भी बड़ी चोरी का खुलासा नहीं कर पाई है।जानकारी के अनुसार, ज्यूनिया गांव निवासी विनीत सिंह मुंबई में नौकरी करते हैं। घर पर उनकी पत्नी, मां और तीन बच्चे रहते हैं। शनिवार की रात परिवार के लोग बरामदे में सोए थे। सुबह गृहस्वामिनी ने अंदर जाने की कोशिश की तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। बगल के मकान से छत के रास्ते भीतर पहुंचने पर देखा गया कि अलमारी और बक्सों के ताले टूटे पड़े हैं। चोर सोने की झुमकी, अंगूठी, पायल, चैन और नकदी समेत लगभग दस लाख रुपये का माल समेट ले गए।दूसरी वारदात भी गांव के ही जगदेव सिंह के घर में हुई। देर रात चोर पीछे की दीवार फांदकर भीतर घुसे और बक्से का ताला तोड़कर चार हजार रुपये नगदी चुरा ले गए।ग्रामीणों का कहना है कि बीते एक साल में थाना क्षेत्र में दो दर्जन से ज्यादा चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ मामलों में तो 20 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी चोरी का पर्दाफाश नहीं कर सकी है। नवागंतुक थाना प्रभारी से क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी, लेकिन उनके कार्यभार संभालते ही चोरों ने चोरी की वारदात कर मानो 'सलामी' दे दी।

डिप्टी सीएमओ ने दो पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

» राजपुर में कम मरीज मिलने पर जताई नाराजगी

» बैनर न लगाने पर प्रभारी को मिली फटकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की हकीकत परखने के लिए डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने रविवार को रसधान और राजपुर पीएचसी का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की संख्या की समीक्षा की गई।

सबसे पहले उन्होंने रसधान पीएचसी का जायजा लिया, जहां प्रभारी डॉक्टर शना कौशर टीम के साथ मरीजों को देख रही थीं। यहां कुल 54 मरीजों की जांच और दवा वितरण किया गया। फार्मासिस्ट संजय अग्रवाल, वार्ड बॉय इंद्र बहादुर और स्टाफ नर्स अजीता पाल ड्यूटी पर मौजूद मिले।इसके बाद दोपहर बाद डॉ. सचान राजपुर पीएचसी पहुंचे। यहां साढ़े तीन बजे तक केवल 32 मरीजों का इलाज हुआ था। कम मरीजों की संख्या और मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का बैनर न लगे होने पर उन्होंने प्रभारी अमित निरंजन से नाराजगी जताई।

साथ ही ओपीडी और बाहर दोनों जगह स्पष्ट बैनर लगाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डॉक्टर आशीष मिश्रा, ट्रेनी डॉक्टर हरदीप सिंह, मनोज सर्राफ, फार्मासिस्ट भोलेंद्र सिंह और वार्ड बॉय रामसिंह मौजूद रहे। डिप्टी सीएमओ ने सख्त लहजे में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी हाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एफएलएन प्रशिक्षण का समापन, शिक्षकों को मिली नई दिशा

» पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 100 शिक्षकों को दी गई आधारभूत शिक्षा व संख्यात्मकता की जानकारी

» गतिविधियों और टीएलएम के प्रयोग से बच्चों की पढ़ाई को और रोचक बनाने पर दिया गया जोर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर आयोजित पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का सोमवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण में शामिल 100 शिक्षकों को आधारभूत शिक्षा एवं संख्यात्मकता के कौशल विकसित करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षक एआरपी वीरेंद्र विक्रम सिंह, कुलदीप सैनी, अश्विनी कटियार, योगेंद्र तिवारी और आलोक श्रीवास्तव ने शिक्षकों को संदर्शिकाओं का उचित उपयोग, टीएलएम, पोस्टर व चार्ट के प्रयोग से शिक्षण अधिगम को सरल व प्रभावी बनाने की विधियां समझाईं।प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों तक विषय-वस्तु को रोचक और सहज तरीके से प्रस्तुत किया जाए, ताकि सीखने की प्रक्रिया अधिक उपयोगी व प्रभावी बन सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पेयजल योजना की बाउंड्रीवॉल गिरने से बुजुर्ग की मौत

» जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान, जांच टीम गठित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील मैथा के ग्राम बेहटा में पेयजल योजना के अंतर्गत बनाई गई बाउंड्रीवॉल सोमवार को गिर गई। इस हादसे में 65 वर्षीय मुबारक अली पुत्र शखावत अली निवासी ग्राम बेहटा की दबकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी कपिल सिंह ने गंभीरता से संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह अत्यंत गंभीर प्रकरण है। उन्होंने बाउंड्रीवॉल के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की है। टीम में उप जिलाधिकारी मैथा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांखण्ड तथा अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड नबीपुर को शामिल किया गया है।जिलाधिकारी ने टीम को निर्देशित किया है कि वे स्थलीय निरीक्षण के साथ-साथ अभिलेखीय जांच (जैसे अनुमान पत्र) करें और निर्माण कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण करें। साथ ही प्रयुक्त सामग्री के नमूने लेकर जांच कराई जाए। यह भी देखा जाएगा कि बाउंड्रीवॉल का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार किया गया था या नहीं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण में लापरवाही पाई गई तो दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट 48 घंटे के भीतर मांगी गई है।

निर्माण गुणवत्ता और जिम्मेदार अफसरों पर होगी कार्रवाई

अयोध्या में किसानों की खाद का हो रहा घोटाला !

» कार्रवाई का दिखावा या नेटवर्क पर वार?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिले में किसानों को महंगे दामों पर खाद बेचने का खेल उजागर हुआ है, लेकिन प्रशासन की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। बीकापुर के मलेथू कनक रोड स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर लाइसेंस निरस्त कर दिया गया और एफआईआर दर्ज करने का आदेश हुआ। पर असली सवाल यह है कि क्या यह महज़ एक दिखावटी कदम है या पूरे नेटवर्क पर गाज गिरेगी?

घोटाले का पर्दाफाश - वायरल वीडियो बना सबूत

शनिवार रात वायरल हुए एक वीडियो ने प्रशासन को हरकत में ला दिया। वीडियो में किसानों को निर्धारित मूल्य से ज्यादा दामों पर खाद बेचे जाने की पुष्टि होती दिखी। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने तत्काल छापेमारी का आदेश दिया। लेकिन कार्रवाई केवल दुकान तक सीमित रही। ट्रक से आई खाद की सप्लाई बिना विभागीय मिलीभगत के संभव नहीं। गोदाम से लेकर थोक सप्लायर तक की भूमिका पर सवाल। कई विक्रेताओं ने चुपचाप रेट बढ़ा दिए, मगर

डीएम अयोध्या

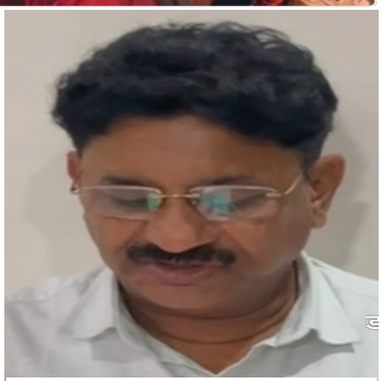
ओपी मिश्र जिला कृषि अधिकारी अयोध्या

जांच एक पर ही क्यों?

किसान सवाल पूछ रहे हैं

जब पर्याप्त खाद उपलब्ध है, तो हमें महंगे दाम क्यों देने पड़े? क्या केवल दुकानदार दोषी है या सप्लाई देने वाले बड़े लोग भी इस खेल में शामिल हैं?

जिले में कोई भी खाद विक्रेता यदि किसानों से तय मूल्य से अधिक पैसा वसूलता है या खाद खरीदने के साथ अन्य सामान लेने के लिए बाध्य करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। ऐसे विक्रेताओं का न केवल लाइसेंस रद्द होगा बल्कि मुकदमा दर्ज कर जेल भी भेजा जाएगा।

निखिल टीकाराम फुण्डे
जिलाधिकारी अयोध्या

बाजार की लगातार निगरानी की जाए। साथ ही गांवों और कस्बों में विशेष छापेमारी कर कालाबाजारी रोकने का अभियान चलाया जा रहा है।

ओपी मिश्र
जिला कृषि अधिकारी अयोध्या।

जांच या लीपापोती?

प्रशासन ने लाइसेंस निरस्त करने और एफआईआर का आदेश दिया है, लेकिन सप्लाई चेन पर जांच के संकेत नहीं। कृषि विभाग की चुप्पी भी संदेह पैदा कर रही है। अगर जांच उच्च स्तरीय होकर बड़े नेटवर्क तक पहुंचे, तभी किसानों को न्याय मिलेगा। वरना यह मामला भी दूसरे घोटालों की तरह फाइलों में दफन हो जाएगा।

मथुरा में कॉस्मेटोलॉजिस्ट अवार्ड शो का भव्य हुआ आयोजन

» श्री दीप मेकओवर को सम्मानित किया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। रविवार को मथुरा नगरी के हीरा क्रिस्टल होटल में कॉस्मेटोलॉजिस्ट अवार्ड शो का भव्य आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में देशभर से आए मेकअप आर्टिस्टों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और सौंदर्य जगत से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आगरा, झांसी और मुंबई से आए प्रतिष्ठित कॉस्मेटोलॉजिस्ट और ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञ रहे, जिन्होंने मंच की शोभा बढ़ाई। उनके द्वारा नई पीढ़ी के

आर्टिस्टों को प्रोत्साहन देने और ब्यूटी सेक्टर में आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर वृंदावन से आईं श्री दीप मेकओवर की ओनर श्रीमती जायसवाल को भी कॉस्मेटोलॉजिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान सौंदर्य जगत में उनके अनूठे योगदान और वर्षों से किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया। सम्मान पाकर श्रीमती जायसवाल ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए नई ऊर्जा और और अधिक जिम्मेदारी लेकर आया है।

हॉल में मौजूद दर्शकों और प्रतिभागियों ने उनके कार्यों की सराहना की और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में देशभर के कई नामचीन ब्यूटी एक्सपर्ट्स, फैशन जगत की हस्तियां और स्थानीय समाजसेवी भी शामिल हुए।

आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से न सिर्फ कलाकारों को मंच मिलता है बल्कि मथुरा जैसी ऐतिहासिक नगरी में सौंदर्य और कला का संगम भी देखने को मिलता है।

किस ब्राह्मण के माथे लगेगा टिकट का रोली टीका?

अयोध्या की राजनीति में बड़ा टिकट संग्राम, जातीय समीकरणों पर टिकी दावेदारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या की पांच विधानसभा सीटों में से चार पर सवर्ण और पिछड़ा वर्ग के नेताओं के बीच टिकट की होड़ तेज हो गई है।

बाहुबली विधायक अभय सिंह के मुख्यमंत्री खेमे में मजबूत पकड़ बनाने के बाद भाजपा खेमे में ब्राह्मण नेताओं की बेचैनी बढ़ गई है। अब देखने वाली बात यह है कि आने वाले समय में किसको टिकट मिलेगी किसके माथे पर विजय का तिलक लगेगा।

गोशाईगंज सीट - अभय सिंह के नाम पर मुहर?

भाजपा में गोशाईगंज सीट लंबे समय से ब्राह्मण कोटे की मानी जाती थी। लेकिन अब माना जा रहा है कि पार्टी अभय सिंह को ही यहां से उतार सकती है, जिससे ब्राह्मण वर्ग में असंतोष की आशंका गहराई है।

रुदौली और बीकापुर - समीकरण नहीं बनते

जातीय आधार पर रुदौली और बीकापुर सीट ब्राह्मण प्रभाव क्षेत्र नहीं मानी जातीं। ऐसे में बचती है अयोध्या विधानसभा सीट, जो इस बार सबसे चर्चित है।

अयोध्या सीट - ब्राह्मण बनाम बनिया लॉबी

पूर्व विधायक खब्बू तिवारी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र और वर्तमान महापौर गिरीश पति त्रिपाठी प्रमुख ब्राह्मण दावेदार हैं। लेकिन यहां मौजूदा विधायक वेद गुप्ता अपने बेटे को टिकट दिलाने की कोशिश में हैं। वेद की वैश्य लॉबी में राष्ट्रीय स्तर पर गहरी पकड़ पार्टी के फैसले को प्रभावित कर सकती है।

लल्लू सिंह का फैक्टर

21 साल तक अयोध्या से विधायक रहे पूर्व सांसद लल्लू सिंह जातीय समीकरणों से ऊपर उठकर विकास को प्राथमिकता देने के पक्षधर माने जाते हैं।

लेकिन टिकट वितरण में उनका प्रभाव कितना होगा, यह बड़ा सवाल है। अयोध्या की ब्राह्मण राजनीति फिलहाल उबाल पर है।

टिकट किसे मिलेगा, यह जातीय संतुलन, लॉबी की ताकत और केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति पर निर्भर करेगा।

अराजक तत्वों ने खंडित की मां काली की मूति

» श्रीराम सेना ने दिया अल्टीमेटम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।आशापुर, दर्शन नगर स्थित एक मंदिर में अराजक तत्वों ने मां काली की मूर्ति को खंडित कर दिया। घटना के बाद श्रीराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि अराजक तत्वों ने मंदिर का ताला तोड़कर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किया और वहां मोटरसाइकिल से स्टंट किया, जिसके निशान अब भी मौजूद हैं। मंदिर का घंटा भी हथौड़े से तोड़ा गया।क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने फोन पर आश्वासन दिया कि पुलिस टीम रवाना कर दी गई है और कल सुबह तक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

श्रीराम सेना युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दीपक कसौधन ने कहा कि पहले भी इस मंदिर में मूर्ति खंडित की गई थी, लेकिन सख्त कार्रवाई न होने के कारण अपराधियों के हौसले बढ़ गए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन 11 बजे तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं करता, तो दोपहर 12 बजे से अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मंदिर परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी गई है।

क्षेत्रीय खुफिया इकाई को भी सक्रिय कर संदिग्धों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि घटना में शामिल सभी

आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अयोध्या की सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा बनी रहे।

7 साल, 30 मासूम बच्चियां और एक सीरियल किलर जिसने

लाशों से मिटाई अपनी हवस

दरिंदगी की खौफनाक दास्तान सुन कांप उठेगी आपकी रूह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की गलियों में एक ऐसा खूनी दरिंदा घूम रहा था जिसने न सिर्फ मासूम बच्चियों की जिंदगी छीनी बल्कि इंसानियत को भी शर्मसार कर दिया। यह कहानी है सीरियल किलर रविंद्र कुमार की, जिसने 7 साल में 30 से ज़्यादा मासूम बच्चियों को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया। हाल ही में, दिल्ली की एक अदालत ने उसे एक और जघन्य अपराध में दोषी ठहराया है, और अब उसे 28 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

दिल दहला देने वाला जुर्म : रविंद्र कुमार, जिसकी उम्र 35 साल है, के अपराधों की कहानी इतनी भयानक है कि सुनकर किसी का भी दिल कांप जाए। पुलिस के अनुसार, उसके निशाने पर 6 से 12 साल की बच्चियां होती थीं, लेकिन उसने दो साल के बच्चे को भी नहीं बख्शा। जब पहली बार 2014 में एक ढाई साल की मासूम बच्ची की लाश मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया, तो उसने 30 से ज्यादा बच्चियों के साथ रेप और हत्या की बात कबूल कर पुलिस के भी होश उड़ा दिए। उसने कहा था, "मैंने बच्चों को अगवा किया, रेप किया और फिर उन्हें मार डाला। यहां तक कि शव के साथ भी रेप किया। मुझे उसमें मजा आता था।"

7 साल, 30 मासूम बच्चियां, और एक दरिंदा, जिसने न सिर्फ उनकी जिंदगियां छीनीं, बल्कि लाशों के साथ भी अपनी हवस मिटाई। यह खबर है एक ऐसे सीरियल किलर की, जिसकी दरिंदगी की खौफनाक दास्तान सुनकर आपकी रूह कांप उठेगी।

> "मैंने बच्चों को अगवा किया, रेप किया और फिर उन्हें मार डाला। यहां तक कि शव के साथ भी रेप किया। मुझे उसमें मजा आता था।

पहले भी हो चुका है गिरफ्तार

रविंद्र को पहली बार 2014 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सबूतों की कमी के कारण वह अदालत से छूट गया। 2015 में 6 साल की बच्ची के अपहरण के मामले में उसे रोहिणी से फिर पकड़ा गया। इस बार पुलिस के पास ठोस सबूत थे, और मई 2023 में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई। तब से वह जेल में है।

टॉफी का लालच देकर करता था दरिंदगी : पुलिस जांच में पता चला कि रविंद्र हर शाम नशे की हालत में अपने शिकार की तलाश में 40 किलोमीटर तक पैदल चलता था। वह बच्चों को पैसे या टॉफी का लालच देकर सुनसान जगह पर ले जाता, उनके साथ दरिंदगी करता और फिर उन्हें मार डालता था।

नशे और पोर्न फिल्मों ने बनाया हैवान : उत्तर प्रदेश के कासगंज का रहने वाला रविंद्र कुमार एक मजदूर परिवार से है। 2008 में वह काम की तलाश में दिल्ली आया, लेकिन जल्द ही उसे नशे और पोर्न फिल्मों की लत लग गई। इसी साल उसने अपनी पहली बच्ची का रेप और हत्या की। पकड़ा न जाने पर उसका हौसला और बढ़ गया।

अदालत का फैसला : 23 अगस्त को 2014 के मामले में फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने मजबूत सबूत पेश किए हैं और आरोपी की दलीलों में कोई दम नहीं है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के सिर पर चोट, होंठों पर दांतों के निशान और दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई। अदालत ने रविंद्र कुमार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 302 (हत्या) और 363 (अपहरण) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने साफ कहा, "उसका अपराध अमानवीय और निर्मम है। न समाज को, न अदालत को और न ही कानून को उसके लिए किसी नरमी की गुंजाइश है।" यह सिर्फ एक हत्यारे की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है।

ईडी देखते ही भागे टीएमसी विधायक, पहली मंजिल से कूदे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस विधायक जीबन कृष्ण साहा को गिरफ्तार किया है। ईडी ने साहा के घर छापा मारा और उन्हें भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा। घोटाले में बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है और जांच जारी है। यह गिरफ्तारी एसएससी असिस्टेंट टीचर भर्ती घोटाले से जुड़ी है।

ईडी की टीम जब विधायक साहा के घर पहुंची तो वो अचानक पहली मंजिल से कूदकर दीवार फांदकर भागने की कोशिश करने लगे। ईडीकी टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। इस दौरान उन्होंने अपने मोबाइल फोन को पास के ड्रेनेज में फेंक दिया, लेकिन ईडी अधिकारियों ने उसे तुरंत निकालकर बरामद कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने साहा के घर और उनके करीबियों के ठिकानों पर ये छापेमारी की। जांच एजेंसी को शक है कि भर्ती घोटाले से जुड़े कई अहम सबूत और लेन-देन के दस्तावेज साहा और उनके नजदीकी लोगों के पास है। गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम उन्हें अपने साथ ले गई है।

मिली निराशा

पाक विदेश मंत्री इशाक डार बांग्लादेश गए थे मामला सुलझाने, लेकिन हो गया बड़ा कांड

'पहले बुलाया, दावत दी...फिर कर दी बेइज्जती'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों पर दशकों से जमी बर्फ को पिघलाए बगैर ही, भारत को घेरने की कोशिश एक बार फिर से औंधे मुंह धड़ाम हो गई। 13 साल बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार बांग्लादेश पहुंचे, तो लगा कि अब पुराने रिश्तों में गर्माहट आएगी और उससे भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में मदद मिलेगी, लेकिन हुआ इसका उल्टा।

ढाका में इशाक डार के साथ हुई बैठक : जिस उम्मीद के साथ इशाक डार बांग्लादेश पहुंचे थे, उन उम्मीदों पर बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने चंद लम्हों में ये कहते हुए पानी फेर दिया कि आप उम्मीद करते हैं कि 54 सालों से अनसुलझे मुद्दे आज एक ही बैठक में सुलझ जाएंगे, खासकर तब, जब ये बैठक भी 12 साल बाद हुई है।

ढाका ने इशाक डार की उम्मीदों पर पानी फेर दिया

ढाका में इशाक डार ने रविवार को होटल सोनार गांव में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात की। इसके बाद जब वे पत्रकारों से मुखातिब हो रहे थे, तो उनसे दोनों देशों के बीच अनसुलझे मुद्दों को लेकर सवाल किया गया। इन सवालों पर इशाक डार ने कहा, 'अनसुलझे मुद्दों के बारे में, मैं यही कहना चाहता हूं कि पहला समझौता 1974 में हुआ था। उस समय का दस्तावेज दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक है। बाद में जनरल परवेज मुशर्रफ़ यहां आए और उन्होंने सार्वजनिक रूप से और खुलकर इस मुद्दे को उठाया। इस प्रकार यह दो बार सुलझाया जा चुका है- एक बार 1974 में और फिर 2000 के दशक की शुरुआत में।'इशाक डार की ओर से मीडिया के सामने पेश की गई इस सफाई के महज कुछ ही घंटों बाद, ढाका ने सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के सलाहकार तौहीद हुसैन ने इशाक डार के दावे पर असहमति जताते हुए कहा, दोनों देश भविष्य में लंबित द्विपक्षीय मसलों पर चर्चा जारी रखेंगे। तौहीद हुसैन ने आगे कहा, 'निश्चित रूप से आप इस बात की उम्मीद नहीं करते हैं, कि जो मुद्दे 54 साल से अनसुलझे हैं, उन्हें एक ही बैठक में सुलझा लिया जाएगा।'

पाक विदेश मंत्री इशाक डार के इस दौरे की चर्चा सिर्फ इस्लामाबाद में नहीं थी, बल्कि ढाका में भी खूब हो रही थी। इशाक डार का ये दौरा पहले इसी साल अप्रैल में होने वाला था, लेकिन कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। हालांकि दोनों देशों के बीच के रिश्तों में गर्माहट तब भी बरकरार रही। इशाक डार के दौरे को लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश ने भी इसकी खूब ब्रांडिंग की। दोनों मुल्कों के नेताओं ने दोस्ती की कसमें खाईं, लेकिन अंत में इस दौरे ने अलग मोड़ ले लिया।